

ला॥ अ॥ भिमासिककलायिष्ठु वनहृदिष्ठु नक्षेडयतिष्ठगी॥ हस्तयद्वाः
ल्य॥ विष्ठुसार्गकला॥ अ॥ म॥ क॥ ग॥ म॥ अ॥ म॥ क॥ न॥ म॥ विष्ठुनिलादकंडयति
ष्ठगी॥ व॥ द॥ न॥ य॥ ह॥ ष॥ वी॥ न॥ य॥ य॥ धू॥ य॥ दी॥ य॥ ह॥ ल॥ य॥ य॥ ता॥ म॥ व॥ ल॥ स॥ क॥ ल॥ य॥
सिद्धिजमुमयतिष्ठगी॥ विष्ठुनाय्येवि॥ य॥ त॥ स॥ र्व॥ य॥ नि॥ य॥ र्व॥ म॥ र्व॥ ड॥ य॥ ति॥ य॥
गी॥ क॥ र॥ क॥ ध्व॥ वा॥ य॥ य॥ र्व॥ ड॥ य॥ ति॥ य॥ गी॥ वि॥ य॥ य॥ सा॥ य॥ य॥ व॥ र्व॥ ड॥ य॥ क॥ ल॥ य॥ य॥
ह॥ र्व॥ स॥ व॥ र्व॥ सा॥ य॥ य॥ र्व॥ ड॥ य॥ ति॥ य॥ व॥ क॥ र्व॥ त॥ म॥ स॥ क॥ मा॥ ह॥ र्व॥ व॥ र्व॥ ड॥ य॥ अ॥ य॥ ग॥ न॥ य॥ दि॥
वि॥ स॥ र्व॥ ड॥ य॥ वि॥ य॥ य॥ स॥ र्व॥ न॥ वा॥ सा॥ र्व॥ व॥ र्व॥ ड॥ य॥ क॥ र्व॥ क॥ ध्व॥ वा॥ य॥ स॥ र्व॥ न॥ वा॥ सा॥ र्व॥ व॥ र्व॥ ड॥

विष्ठुदाय॥ ग॥ म॥ म॥ य॥ न॥ ल॥ य॥ य॥ ॥ ह॥ स॥ य॥ य॥ द॥ य॥ ॥ विष्ठुनी॥ अ॥ य॥ र्व॥ न॥ द॥
द॥ य॥ र्व॥ वा॥ क॥ ल॥ ल॥ य॥ न॥ द॥ य॥ ॥ ल॥ द॥ य॥ र्व॥ ॥ अ॥ य॥ र्व॥ नि॥ व॥ य॥ दि॥ न॥ ग॥ य॥ क॥
द॥ य॥ ॥ वि॥ य॥ य॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ म॥ न॥ स॥ र्व॥ य॥ म॥ ल॥ वा॥ य॥ य॥ ॥ ॥
व॥ य॥ य॥ य॥ य॥ न॥ वि॥ य॥ य॥ स॥ म॥ य॥ ॥ ॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ वि॥ य॥ य॥ लि॥ य॥ य॥
य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ ॥ द॥ य॥ य॥ ॥ व॥ य॥ य॥ य॥ य॥ न॥ म॥ य॥ ॥ ग॥ य॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥
म॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ य॥ य॥ न॥ म॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥ य॥ य॥ ॥ स॥ य॥ य॥ ॥ स॥ य॥ य॥ य॥
य॥ न॥ म॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥ य॥ य॥ न॥ म॥ य॥ ॥ ड॥ य॥ य॥

लंघनदाय स्वाचा कल ॥ वाक् ॥ सर्वो जियाया नियन्त्रा दाना निस्तृष्टिः
 पायाव दिवनेय नि। थागी दाना त्वं निज विन्द्याना दाना गी जथा त्वं गज
 लंघया नि ॥ मिर्ता श्वा भित्तिसम ॥ विष्णु प्रसूय ॥ स्नानयाथ ॥ वस्त्र
 धर्मा ॥ शिव निर्मो ल्य दूदून दूवा ल हाय ॥ डेय विगु र्मुनिर्म गंध यजमा
 न मरुद्वर्ण ॥ सर्व कर्दवा दि ॥ पुन पृथिम मरुद्वर्ण ॥ भुवि ॥ गृह मरुद्वर्ण
 र्ण ॥ सप्त षष्ठ यजम्य स्नान निद्रिय ॥ ॐ ति वं का द ग दि नया ॥ ॥
 अथ द्वादश सुद्धि कला ॥ १ ॥ सुसुना र्ण सुयर्णा ना वै श्वय नान वृहिनी मृत्

सुग कसमस्य द्वादश क्रीय सुश्रुति ॥ एक विंशति सुद्धा र्ण सुद्धि स्या भू
 रुम भुल ॥ वालाना मिर्न ॥ गम या र्णा याव द द्वा प ना व ड ॥ मयूज या सुमृः
 ति ॥ एका द ग्मा सु ति का र्णि वि ना र्णि या न दी य का क भु न ख वै क भु र्णि मृ
 ना र्णि ग ल द्वा म क ॥ क पि ला र्णि ग म वि वा द् ग म ना र्णि य श्र ग व य का मृ ना र्णा
 र्ण वै व हा ग र्णा भू मि ना म व वा य न ॥ एका द ग्मा रु ख ल सिद्धि क र्ण र्ण कू र्ण
 र्ण वै ड ल कू र्ण दाय क ॥ य त्य श्र ग य वि धि पू र्ण क र्ण र्ण ग ल्य न क र्म ॐ ति
 हाठ क र्ण र्ण ॥ पा ० ना र्ण ॥ ॥ द्वादश दिवस सुद्धस्य तीव्र ल र्ण र्ण विधि ॥

ममपाठ

विशुद्धमना विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
नीनमस्तु यन्मानेद्योय जगद्यानिमस्तु विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
ममिहं सुखी रुचयनामा कौ माया वं विद (विष्णोर्नमः) विष्णोर्नमः
याति युतिगमात्मकं । तस्यावतायं कनूत वकुगापी ० ववता ॥ सुखमना ग्य
संयतिं मवस्तु लरुतनन ॥ सर्वयाय विनिमूका रुवता गकुगादयि ॥ नतस्य
यन नाव हि साया सुवमूदी नवता ॥ नरु वया यूया रुगान् लारुं यूय व
स्यवा भवस्तु कुमयूकन यार्नय यवता स्यव ॥ समयावा नयेक स्य पीवा ॥

सुसुवर्तुत ॥ विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
१० मम ॥ विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
कायायनी नमस्यामि दवी विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
कायायनी लाल लावनी ॥ वरुं जगि (विष्णोर्नमः) विष्णोर्नमः
रुसुखदांजी नवकं कौल रुषिगा । यदा ता रुं जदवी विष्णोर्नमः विष्णोर्नमः
हं याय कमानां यायात्सं याय मरुवता हि मां दवी कायाली ॥ ४ ॥ यदि सत्यं वच सुव ॥ न
सुव दवी दीय काला पीधन रुं वी ॥ जया ध्व विजया ध्व सावित्री जगत्पुत्र ॥ मन
की गवु संकुत नमस्तु सैय नदिनी ॥ निष्कुं कुं नवमी मेधाखा सुव मरु नी ॥ स्वयं रु

न सधनं ॥ ४ व सुभूक गणावर्ति । ड ग व लु । दि वि । म सु द
 भूत । म (ध) ५ गु व लु न मा सु । ति शी ड गु व लु म न्ना गी र्का
 गु स भा र्क ॥ १ पू र्व सि ता रु ग व तो म म नू दे व लु । पी ता म्ब रा ति नु य ना व र्का
 द रु व जा दि ग्म य ध ध ना व दि न रु रु स्म । व ल्या न मा मि द द रु दे ल्या वि ण को
 ना ॥ पा सा दि या द रु ने को न नि वा सु नी यो ण क्का दि ग्म य ध ध ना व न ने को व लु
 ॥ मा रु ष्व नी ति ग दि ना म नि रि ॥ स म र्क ॥ ४ द वा नि मी स र्क न के नी रु रु दा पु व लु
 रु क्का ने मा मि ज न नी द न म व का रु । व लु ग का नि न व ना य म द रु का द्या ॥ स
 वा यू धा ष्व प नि रु षि त वा न रु स्म । दे था घे ना ण न क नी य म दि रु स र्क ॥ नी ली

3060 ASHA ARCHIVES

२०५२ चंद्रापोथो स्तोत्र आनेय

मन्त्र मन्त्राध्याय

रु व लु स दृ ण न व यो व व ना द्या ने म ल्य का न य नि स र्क त वा न रु या ॥ र्व रु दि
 ग्म य ध ध नी न व रु रु रु शी व लु न य न क व नी य न मा मि नि रु ॥ व लु स
 ना नि रु व नी मृ ग ना र्ज स र्क ॥ र्व रु क रु ध व ली के म ला य ना की ॥ या ण के ण
 दि ध व नी मृ नि दे ल्य व द्या यो या स यो व नू न दि व्य ल सा रि ता सा ॥ वा यू धा दि व्य
 म ल स र्क त दि रु दा व नू न दि व्य ल सा रि ता सा व यू धा रु म ल व नू या रु न रु
 ध ना ध ज स म रु न व रु का द्या ॥ धू मा रु व लु द ध ता म म व लु व ल्या स द्या नि रु नु
 द नि ता नि स र्क रु वा न्या य क ण दि रु नि स म नि त य त स र्क पी ता म्ब रा क ने
 क व न
 मि ज न नी
 म्भ क व लु व रु ॥ रु रु ग दा दि वि धा य ध सा रि ता या द वि न मा
 व लु नू पा र्क ॥ न दि ग्म नि वि रु षि त क नि द रु यो य धा द्या